less than 50 per cent which would be beyond the reach of the common man who is already groaning under the ever mounting prices of other essential commodities.

In view of this, I would demand of the Government to make available X-ray films in sufficient quantities to all branches of the Company, to keep three-month stock in the branches, to reduce the prices of X-ray films, to abandon the idea of charging 20 per cent extra, to send X-ray films immediately to Patna and to the establish another factory of photo-films in Northern India to facilitate supply of films for X-ray and other purposes.

(ii) Development of Chittorgarh Fort as a place of tourist attraction

प्रो. निर्मला कुमारी शक्तावत (चित्तौड़गढ़) : उपाध्यक्ष महोदय, पर्यटन उद्योग भी देश का एक प्रमुख उद्योग है । भारतवर्ष में इसके विकास को बहुत अधिक संभावनायें है। यह वह उद्योग है, जिसके लिए न कच्चे माल की आवश्यकता है और न बाजार ढूंढने की । आवश्यकता मात्र है पर्यटन विकास की सभावनाओं वाले क्षेत्र को आकर्षित करने की ।

इसी सबध में मैं चित्तौड़गढ़ दुर्ग राजस्थान की तरफ पर्यटन मंत्रालय का ध्यान दिलाना चाहूगी । चित्तौडगढ़ दुर्ग भारतवर्ष का एक प्रमुख ऐतिहासिक स्थल है । जहां शक्ति तथा भक्ति के सगम का गौरवमय इतिहास रहा है । यहां देशी तथा विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय ध्यान दे : सर्वप्रथम, थर्ड एयर लाइस के चित्तौड़गढ़ को अवश्य ही जोड़ा जाये । चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर हो शैलानियों के ठहरने की समुचि व्यवस्था नहीं है, जो कि की जानी चाहिए ।

इस क्षेत्र में सुन्दर हरे भरे हैंगिग गार्डन विकसित किए जायं । इसके विकास में केन्द्रीय सरकार मदद करे ।

गेम्स सेंचुरी भी यहां विकसित करके इसकी शोभा बढ़ाई जा सकती है ।

लाइट एड साउंड का कार्यक्रम को यहां प्रारम्भ किया जाए जिसके माध्यम से पदमनी, मीरा पन्ना धाई के गौरवमय तथा तागमय इतिहास को पुनर्जीवित किया जा सकता है ।

अतः देश के बलिदानमय इतिहास का प्रेरणादायक प्रतीक चित्तौड़गढ़ दुर्ग के पर्यटन विकास की ओर केन्द्रीय सरकार अधिक ध्यान दें ।

(iii) Need to upgrade Jodhpur city to B-2 category

श्री अशोक गहलोत (जोधपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, जोधपुर शहर को अभी तक बी–2 श्रेणी का शहर घोषित नहीं करने से आम लोगों में भारी आश्चर्य व रोष व्यक्त किया जाने लगा है, क्योंकि यह शहर लंबे समय से वे सभी मापदंड पूरे कर चुका है जिनके आधार पर शहरों को वित्त मंत्रालय बी–2 श्रेणी के शहर घोषित करता है ।

केन्द्रीय सरकार से निवेदन है कि जोधपुर शहर को बी–2 श्रेणी का शहर घोषित करने हेतु दिलम्ब निर्णय ले ।

जनसंख्या की दृष्टि से भी इस शहर की जनसंख्या वर्ष 1979 के जून मास तक प्राप्त सांख्यिकी विभाग के आंकडों के अनुसार 4 लाख 3 हजार थी, जो वर्तमान में 1981 की जनगणना से पता चला है कि अब जोधपुर शहर की जनसंख्या बढ़कर करीब 4 लाख 93 हजार 609 से ज्यादा हो गई है । यहां यह भी उल्लेखनीय है कि उपरोक्त जनसंख्या में रक्षा प्रतिष्ठान (सैनिक, वायु सेना) में कार्यरत कर्मचारियों व उनके परिवारजनों की जनसंख्या सम्मिलित नहीं है, जो कि अलग से करीब 1 लाख 75 हजार है ।